PRESS & MEDIA

CSIR-CBRI IN MEDIA FY-2026-27

CSIR-CENTRAL BUILDING RESEARCH INSTITUTE,

ROORKEE, UTTARAKHAND

CBRI
BUILDING A SAFER AND SUSTAINABLE INDIA

CSIR-CBRI in the Limelight | 23.05.2026

भवन संरक्षण, संरचनात्मक सुरक्षा व कीट प्रबंधन के बारे में दी जानकारी

- सीबीआरआइ में भवनों में दीमक एवं कीट प्रबंधन विषय पर आयोजित किया प्रशिक्षण
- आठ राज्यों से आए करीब 32 अधिकारियों, तकनीक विशेषज्ञों व पेशेवर प्रतिभागियों ने लिया भाग

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को भवन संरक्षण, संरचनात्मक सुरक्षा व पर्यावरण-अनुकूल कीट प्रबंधन उपायों से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराया गया, जिससे उन्हें भवनों के सुरक्षित व दीर्घकालिक संरक्षण के लिए प्रभावी तकनीकों की बेहतर समझ प्राप्त हुई।

शुक्रवार को "भवनों में दीमक एवं कीट प्रबंधन" के समापन समारोह में संस्थान के निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाने, व्यावसायिक दक्षता विकसित करने व भवनों के सुरक्षित व सतत अनुरक्षण को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान, तकनीकों व अनुभवों का व्यावहारिक जीवन एवं कार्यक्षेत्र में प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

नोडल अधिकारी डा. नीरज जैन ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान आयोजित विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा दीमक की पहचान, संक्रमण के प्रमुख कारण, रोकथाम के उपाय, रासायनिक एवं गैर-रासायनिक उपचार तकनीकों, भवन निर्माण के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा विधियों तथा भवनों के दीर्घकालिक रखरखाव से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के आठ राज्यों से आए लगभग 32 अधिकारियों, तकनीक विशेषज्ञों व पेशेवर प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। इस दौरान समन्वयक डा. राजेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

सीबीआरआइ रुड़की में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रतिभागी को प्रमाण पत्र देते निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार • संस्थान

CSIR-CBRI in the Limelight | 21.05.2026

राहत मिल सके।

आए। बिजली न होने के कारण सिर्फ प्रयास नहीं किया था।

दीमक और कीट प्रबंधन का दिया प्रशिक्षण

- सीबीआरआइ रुड़की में भवनों में दीमक एवं कीट प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू
- इसमें कीटों की पहचान, निवारक उपाय, निरीक्षण पद्धतियां, उपचार तकनीकें को किया गया शामिल

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में "भवनों में दीमक एवं कीट प्रबंधन" विषय पर तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भवनों एवं आधारभूत संरचनाओं में दीमक एवं कीट प्रबंधन से संबंधित व्यावसायिक ज्ञान व तकनीकी दक्षता को सुदृढ़ करना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन पर सीबीआरआइ रुड़की के निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम व्यावसायिक दक्षताओं को सशक्त बनाने व उद्योगोन्मुख ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने भवन विज्ञान, आधारभूत संरचना सुरक्षा एवं सतत प्रौद्योगिकियों से संबंधित व्यावहारिक चुनौतियों के समाधान के लिए अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण को व्यावसायिक विकास, व्यावहारिक अधिगम एवं ज्ञान-साझाकरण के अवसर के रूप में उपयोग करने की बात कही। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के साथ सक्रिय संवाद स्थापित करने, जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। भवन रखरखाव एवं अभियंत्रण सेवाओं के प्रमुख एवं प्रशिक्षण समन्वयक वरिष्ठ प्रधान विज्ञानी डा. आरके वर्मा ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कीटों की पहचान, निवारक उपाय, निरीक्षण पद्धतियां, आधुनिक उपचार तकनीकें, समन्वित कीट प्रबंधन पद्धतियां तथा टिकाऊ नियंत्रण रणनीतियों जैसे विषयों को शामिल किया गया है। नोडल अधिकारी वरिष्ठ प्रधान विज्ञानी डा. नीरज जैन ने भवनों में दीमक एवं कीट संक्रमण से उत्पन्न हो रही चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भवनों की सुरक्षा, स्थायित्व, स्वच्छता व सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए विज्ञानी, टिकाऊ व समन्वित कीट प्रबंधन पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से लगभग 32 अधिकारियों व पेशेवरों ने सहभागिता की। इस मौके पर उदय मेनन, रवि शंकर व्यास, राम जीवन कुटार, डा. दिलबाग सिंह, पुनीत कुमार, पर्नव, डा. तबिश आलम, डा. संदीप गुप्ता, डा. राजेंद्र आदि मौजूद रहे।

सीबीआरआइ रुड़की में कार्यक्रम को संबोधित करते संस्थान के निदेशक प्रो. आर प्रदीप कुमार और उपस्थित प्रतिभागी • संस्थान

CSIR-CBRI in the Limelight | 12.05.2026

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

Azadi Ka Amrit Mahotsav

सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर 13 स्वदेशी टेक्नोलॉजी उद्योगों को हस्तांतरित कीं

* सतत भवन प्रौद्योगिकी एवं स्वच्छ ऊर्जा नवाचारों में सीएसआईआर-सीबीआरआई की महत्वपूर्ण उपलब्धि
* "स्मार्ट विलेज" पहल के माध्यम से ग्रामीण विकास हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित समाधान
* 13 स्वदेशी टेक्नोलॉजी का उद्योगों को हस्तांतरण, सतत विकास एवं ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगा बढ़ावा

प्रविष्टि तिथि: 12 MAY 2026 7:28AM by PIB Dehradun

नई दिल्ली, 12 मई 2026 – सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीबीआरआई), रुड़की ने 11 मई 2026 को सीएसआईआर, नई दिल्ली स्थित श्री शांति स्वरूप भटनागर सभागार में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। कार्यक्रम में डॉ. (श्रीमती) एन. कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर एवं सचिव, डीएसआईआर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की भी समारोह में मौजूद रहे। कार्यक्रम का समन्वयन आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अजय चौरसिया, संयोजक डॉ. एस. के. पाणिग्रही, श्रीमती गायत्री देवी, एस.टी.ओ. तथा प्रो. एस. के. सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान ने सतत भवन प्रौद्योगिकी एवं स्वच्छ ऊर्जा नवाचारों के क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदानों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया।

https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2260074&reg=46&lang=45

Ministry of Science & Technology

CSIR-CBRI, Roorkee Transfers 13 Indigenous Technologies to Industry on National Technology Day

* CSIR-CBRI highlights major advancements in sustainable building technologies and clean energy innovations
* “Smart Village” initiative emphasizes science-driven solutions for rural development
* Transfer of 13 indigenous technologies to industries to promote sustainable development and energy security

Posted On: 12 MAY 2026 7:30AM by PIB Dehradun

New Delhi, 12 May 2026 – CSIR-Central Building Research Institute (CSIR-CBRI), Roorkee celebrated National Technology Day on 11 May 2026 at the Shri Shanti Swarup Bhatnagar Auditorium, CSIR, New Delhi. Dr. (Mrs.) N. Kalaiselvi, Director General, CSIR and Secretary, DSIR, graced the occasion as the Chief Guest. Prof. R. Pradeep Kumar, Director, CSIR-CBRI, Roorkee, was also present during the ceremony. The programme was coordinated by Dr. Ajay Chourasia, Chairman, Organising Committee, Dr. S. K. Panigrahi, Convener, Smt. Gayatri Devi, S.T.O., and Prof. S. K. Singh.

https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2260075&reg=46&lang=1

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया; इस अवसर पर सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित 13 स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को उद्योग को हस्तांतरित किया गया

अग्नि सुरक्षा, सतत निर्माण और अवसंरचना संरक्षण में सीएसआईआर-सीबीआरआई प्रौद्योगिकियों का उद्योगों को हस्तांतरण

प्रविष्टि तिथि: 12 MAY 2026 10:37AM by PIB Delhi

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य और प्रौद्योगिकी आधारित विकास एवं आत्मनिर्भरता के की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने नई दिल्ली स्थित सीएसआईआर मुख्यालय में अपने मासिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की द्वारा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण था। इस दौरान संस्थान द्वारा विकसित 13 स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को उद्योगों और स्टार्टअप्स को हस्तांतरित किया गया।

कार्यक्रम के समन्वयक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान के डॉ. अजय चौरसिया ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए देश में नवाचार-आधारित विकास को गति देने में उद्योग-उन्मुख प्रौद्योगिकी प्रसार के महत्व का उल्लेख किया।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर आर. प्रदीप कुमार ने संस्थान की तकनीकी उपलब्धियों और सामाजिक रूप से प्रासंगिक नवाचारों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम का आयोजन विशेष महत्व रखता है। प्रोफेसर कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकियों और नवाचारों का उद्योग को हस्तांतरण भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र की बढ़ती क्षमता और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान को दर्शाता है। प्रोफेसर कुमार ने जोर दिया कि इस तरह की पहल आत्मनिर्भर भारत, सतत अवसंरचना और प्रौद्योगिकी-संचालित विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

CSIR-CBRI in the Limelight | 29.04.2026

सीबीआरआई में विश्व धरोहर दिवस का किया आयोजन

संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया पर हुई चर्चा

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना रहा

रुड़की (दैनिक हाक): सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की द्वारा 28 अप्रैल मंगलवार को आरएनटी सभागार में विश्व धरोहर दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें इस वर्ष की थीम संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. नीरज जैन, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं ओडीएस प्रमुख ने सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्व धरोहर दिवस के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्व धरोहर दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य विश्व धरोहर स्थलों के महत्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विश्व धरोहर स्थल हमारी साझा सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का एक अमूल्य हिस्सा हैं, और उनकी रक्षा तथा संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। इसके उपरांत प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीबीआरआई ने अपने संबोधन में विरासत संरक्षण में वैज्ञानिक अनुसंधान की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक निर्माण तकनीकों और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही ऐतिहासिक संरचनाओं का दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि सीबीआरआई द्वारा विरासत

भवनों के संरचनात्मक मूल्यांकन, संरक्षण तकनीकों के विकास तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण आमंत्रित वक्ता का व्याख्यान रहा। इस अवसर पर डॉ. अचल कुमार मित्तल एमेरिटस वैज्ञानिक ने शविरासत संरचनाओं का संरक्षण: समस्या विवरण, केस स्टडी और भविष्य की दिशाएँ विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने ऐतिहासिक संरचनाओं के संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों, विभिन्न केस स्टडी एवं भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की, जिससे उपस्थित प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान Heritage and special structures समूह की वरिष्ठ वैज्ञानिक हीना गुप्ता ने विश्व विरासत दिवस 2026 के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह दिवस हमारी साझा मानवीय इतिहास की विविधता,उसकी संवेदनशीलता और उसके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक वैश्विक आह्वान के रूप में करता है। Heritage special structures स प्रमुख डॉ. सिद्धार्थ बेहरा ने अ समूह की वर्तमान और पिछली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE&Heritage) पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। विश्व धरोहर विषय पर एक रोचक प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, एसीएसआईआर के छात्रों एवं प्रशिक्षु छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही। यह आयोजन न केवल विरासत संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा के लिए एक सशक्त मंच भी प्रदान किया।

CSIR-CBRI in the Limelight | 28.04.2026

सीबीआरआई में विश्व धरोहर दिवस का आयोजन : "विरासत संरचनाओं के संरक्षण की आवश्यकता "

Share

रूड़की.

सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की द्वारा 28 अप्रैल 2026 को आरएनटी सभागार में विश्व धरोहर दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें इस वर्ष की थीम "संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया" पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. नीरज जैन, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवम ओडीएस प्रमुख ने सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्व धरोहर दिवस के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्व धरोहर दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य विश्व धरोहर स्थलों के महत्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विश्व धरोहर स्थल हमारी साझा सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का एक अमूल्य हिस्सा है, और उनकी रक्षा तथा संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

इसके उपरांत, प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीबीआरआई ने अपने संबोधन में विरासत संरक्षण में वैज्ञानिक अनुसंधान की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक निर्माण तकनीकों और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही ऐतिहासिक संरचनाओं का दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि सीबीआरआई द्वारा विरासत भवनों के संरचनात्मक मूल्यांकन, संरक्षण तकनीकों के विकास तथा आपदा जोखिम

https://thesoulofindia.in/world-heritage-day-organized-at-cbri-need-for-conservation-of-heritage-structures/

रुड़की | शिक्षा/स्वास्थ्य | हरिद्वार

विश्व धरोहर स्थल हमारी साझा सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का एक अमूल्य हिस्सा...पढ़ें

Uttarakhand Parikalpana April 28, 2026

रुड़की(अनिल शीर्षवाल)। सीएसआईआर–केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की द्वारा आरएनटी सभागार में विश्व धरोहर दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें इस वर्ष की थीम "संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया" पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत मे डॉ. नीरज जैन, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवम ओडीएस प्रमुख ने सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए विश्व धरोहर दिवस के बारे मे जानकारी दी। उन्होने बताया कि विश्व धरोहर दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य विश्व धरोहर स्थलों के महत्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विश्व धरोहर स्थल हमारी साझा सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का एक अमूल्य हिस्सा हैं, और उनकी रक्षा तथा संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

इसके उपरांत, प्रो. आर. प्रदीप कुमार, निदेशक, सीबीआरआई ने अपने संबोधन में विरासत संरक्षण में वैज्ञानिक अनुसंधान की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक निर्माण तकनीकों और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही ऐतिहासिक संरचनाओं का दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि सीबीआरआई द्वारा विरासत भवनों के संरचनात्मक मूल्यांकन, संरक्षण तकनीकों के विकास तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

https://uttarakhandparikalpana.com/world-heritage-sites-an-invaluable-part-of-our-shared-cultural-and-natural-heritage-read/

CSIR-CBRI in the Limelight | 17.04.2026

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

Azadi Ka Amrit Mahotsav

सीएसआईआर–सीबीआरआई में स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

-कार्यशाला ग्रामीण क्षेत्रों में सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के परिचालन नियोजन और तैनाती पर केंद्रित है

-2027 तक चयनित गांवों में स्मार्ट विलेज पहल के कार्यान्वयन के लिए रोडमैप तैयार

-बाल रक्षा भारत के साथ सहयोग सामाजिक एकीकरण और संसाधन जुटाने की रणनीतियों को मजबूत करता है

प्रविष्टि तिथि: 16 APR 2026 10:53PM by PIB Dehradun

सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की ने बुधवार को अपने परिसर में बाल रक्षा भारत के सहयोग से स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-नियोजन कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया।

दो दिवसीय कार्यशाला सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के जमीनी स्तर पर तैनाती के लिए परिचालन नियोजन और संसाधन जुटाने की रणनीतियों पर केंद्रित थी, जिसमें 2027 तक कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और एनजीओ प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सीएसआईआर-सीबीआरआई के निदेशक श्री आर प्रदीप कुमार रामंचरला द्वारा उद्घाटन के साथ हुई, जिन्होंने नवीन और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के माध्यम से समग्र ग्रामीण विकास को चलाने में स्मार्ट विलेज मिशन की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने संदर्भ-विशिष्ट समाधान प्रदान करने में 16 सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की भूमिका पर जोर दिया और बाल रक्षा भारत के साथ सहयोग की सराहना की।

बाल रक्षा भारत के निदेशक श्री अविनाश सिंह ने प्रभावी कार्यान्वयन के लिए हितधारकों की भागीदारी, सामाजिक एकीकरण और सीएसआर-आधारित वित्त पोषण रणनीतियों के महत्व को रेखांकित किया।

https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2252796&reg=3&lang=2

Ministry of Science & Technology

Two days Training Workshop on Smart Village Initiative concludes at CSIR–CBRI

* Workshop focuses on operational planning and deployment of CSIR technologies in rural areas

* Roadmap prepared for implementation of Smart Village Initiative across selected villages by 2027

* Collaboration with Bal Raksha Bharat strengthens social integration and resource mobilization strategies

Posted On: 16 APR 2026 10:56PM by PIB Dehradun

The CSIR–Central Building Research Institute (CSIR-CBRI) Roorkee on Wednesday successfully concluded a two-day Training-cum-Planning Workshop on the Smart Village Initiative at its campus in collaboration with Bal Raksha Bharat.

The two days workshop focused on operational planning for on-ground deployment of CSIR technologies and strategies for resource mobilization, bringing together senior officials, scientists, and NGO representatives to formulate a comprehensive roadmap for implementation by 2027

https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetail.aspx?PRID=2252797&reg=46&lang=1

सीएसआईआर–सीबीआरआई में स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

Uttarakhand

April 16, 2026 Garhwalkipukar Leave A Comment

-कार्यशाला ग्रामीण क्षेत्रों में सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के परिचालन नियोजन और तैनाती पर केंद्रित है

-2027 तक चयनित गांवों में स्मार्ट विलेज पहल के कार्यान्वयन के लिए रोडमैप तैयार

-बाल रक्षा भारत के साथ सहयोग सामाजिक एकीकरण और संसाधन जुटाने की रणनीतियों को मजबूत करता है

सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की ने बुधवार को अपने परिसर में बाल रक्षा भारत के सहयोग से स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-नियोजन कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया।

दो दिवसीय कार्यशाला सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों के जमीनी स्तर पर तैनाती के लिए परिचालन नियोजन और संसाधन जुटाने की रणनीतियों पर केंद्रित थी, जिसमें 2027 तक कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और एनजीओ प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सीएसआईआर-सीबीआरआई के निदेशक श्री आर प्रदीप कुमार रामचरला द्वारा उद्घाटन के साथ हुई, जिन्होंने नवीन और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के माध्यम से समग्र ग्रामीण विकास को चलाने में स्मार्ट विलेज मिशन की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने संदर्भ-विशिष्ट समाधान

https://garhwalkipukar.com/uttarakhand/csir/

CSIR-CBRI in the Limelight | 16.04.2026

सीएसआइआर-सीबीआरआइ में स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

BY LOCNIRNAY@GMAIL.COM APRIL 16, 2026 0 COMMENTS 58 VIEWS

देहरादून। (लोक निर्णय)सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआइआर-सीबीआरआइ) रुड़की ने बुधवार को अपने परिसर में बाल रक्षा भारत के सहयोग से स्मार्ट विलेज पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-नियोजन कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया। कार्यशाला सीएसआर प्रौद्योगिकियों के जमीनी स्तर पर तैनाती के लिए परिचालन नियोजन और संसाधन जुटाने की रणनीतियों पर केंद्रित थी। जिसमें वर्ष, 2027 तक कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और एनजीओ प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत सीएसआइआर-सीबीआरआइ के निदेशक आर. प्रदीप कुमार रामंचरला द्वारा उद्घाटन के साथ हुई।जिन्होंने नवीन और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के माध्यम से समग्र ग्रामीण विकास को चलाने में स्मार्ट विलेज मिशन की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने संदर्भ-विशिष्ट समाधान प्रदान करने में 16 सीएसआइआर प्रयोगशालाओं की भूमिका पर जोर दिया और बाल रक्षा भारत के साथ सहयोग की सराहना की।बाल रक्षा भारत के